चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	22-11-23	12	2-5

भाषण, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी आयोजित

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : काम्बोज

हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन पखवाड़ा का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे मंगलवार को नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान द्वारा आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन किसानों के लिए रसायन विज्ञान कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओमप्रकाश अरोड़ा ने इस कार्यक्रम के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान का फसलों की उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा ने भी संबोधित किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज विजेता विद्यार्थियों के साथ।

कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुद्दों में से एक कृषि में विषाक्त धातु संदूषण है।

कार्यक्रम के अंत में कैंपस स्कूल की निदेशक संतोष कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन पीएचडी छात्रा सुचेता छाबड़ा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-11-23	3	4-5

विजेता विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो.काम्बोज

हिसार, 21 नवम्बर (ब्यूरो): वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

भाषण प्रतियोगिता : प्रथम पुरस्कार रिद्धी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमांशी ने जीता। एप्रिसीएशन पुरस्कार प्रिया व अलीशा को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गवर्नमैंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला।

वहीं हकृवि के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओ.डी.एम. महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीप्ति द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबू व पूजा देवी तृतीय स्थान पर रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-1-23	2	1-4

शिक्षा

एचएयू में चल रहा रसायन पखवाड़ा संपन्न, कुलपति बोले-रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी

अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी में लक्ष्य, देव, दिव्यांशी प्रथम

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों व खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। कृषि में स्थिरता के लिए रसायनों का संतुलित प्रयोग जरूरी है। यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का।

वे मंगलवार को मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन पखवाड़ा के समापन पर 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

एचएयू में विजेता टीमों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी की प्रतियोगिताएं करवाई गई। अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लक्ष्य, देव मलिक, दिव्यांशी प्रथम, रचित मेहरा, राघव व कनिष्का द्वितीय, प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी तृतीय रहे।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ बढ़ रहे हैं।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता : *रिद्धि प्रथम, रितु द्वितीय, हिमांशी तृतीय।*

इंटर कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : *गवर्नमेंट पीजी कॉलेज की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज की टीम प्रथम। इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा की टीम द्वितीय, कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कांबोज व प्रिया यादव की टीम तृतीय रही।*

इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी : *कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज मुकलान की मुस्कान व दीप्ति द्वितीय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबू व पूजा देवी तृतीय रहीं।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-11-23	2	1-6

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी: प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार: वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान द्वारा आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन पखवाड़ा में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विजेता विद्यार्थियों के साथ मौजूद • पीआरओ

कुलपति ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था। लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं।

परिणाम इस प्रकार रहे:

- **भाषण प्रतियोगिता** : प्रथम पुरस्कार रिद्धी, द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमांशी, सांत्वना पुरस्कार प्रिया व अलांशा
- **इंटर कालेज प्रश्नोतरी प्रतियोगिता** : गवर्नमेंट पीजी कालेज हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम, इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा द्वितीय, हकृवि के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे
- **इंटर कालेज वर्किंग माडल प्रदर्शनी** : कृषि महाविद्यालय के अंकित गावंड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कालेज मुस्कान की मुस्कान व दीप्ति द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबु व पूजा देवी तृतीय
- **अंतर विद्यालय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता** : सेंट एंथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्यांशी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रचित मेहरा, राघव व कनिष्का द्वितीय तथा दी आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी रेहपड़े तृतीय
- **इंटर स्कूल वर्किंग माडल प्रदर्शनी** : ओपी जिंदल मार्डन स्कूल के नमन व गुन्मय को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर प्रथम, दी आर्यन स्कूल के आदित्य व दीपिका को 'वेस्ट मैनेजमेंट' विषय पर द्वितीय, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल हिसार की इशिका व अनु को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर तृतीय पुरस्कार। दी श्रीराम युनिवर्सल स्कूल की समृद्धि व अनिंदया, सेंट मैरी स्कूल हिसार की मनु सुनन्दन व नंदिता तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल हिसार के अभय व शिवम को सांत्वना पुरस्कार मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-11-23	2	4-5

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे मंगलवार को नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है।उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने मुख्य संभाषण दिया। डॉ. नीरज कुमार, रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा, संतोष कुमारी, सुचेता छाबड़ा उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.11.2023	--	--

कृषि में स्थिरता के लिए रसायनों का संतुलित प्रयोग जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आज नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुद्दों में से एक कृषि में विषाक्त धातु संदूषण है। आर्सेनिक, कैडमियम, सीसा और पारा जैसी धातुओं के उच्च स्तर के संपर्क में आने से मनुष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं जबकि दूसरी ओर लोहा, बोरान और तांबा पौधों के विकास के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व हैं। इसलिए ऐसी धातुओं का पता लगाने के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान तकनीकों का उपयोग करके समय-समय पर किसानों के खेतों से ऐसी जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने रसायन वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि उनके अनुसंधान किसानों के कल्याण के लिए केन्द्रित होने चाहिए जैसे कम साइटोटॉक्सिसिटी वाले नए रोगाणुरोधी और नेमाटीसाइडल का विकास, कृषि रसायन व्यवहार और खतरों की पहचान, कृषि अपशिष्ट के उपयोग के लिए प्रक्रियाओं का विकास, हरित रसायन अनुसंधान और नैनोकण विकास आदि।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कहा कि रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे: भाषण प्रतियोगिता में रिद्धी को प्रथम, रितु ने द्वितीय व हिमांशी ने तृतीय पुरस्कार जीता। एप्रिसीएशन पुरस्कार प्रिया व अलांशा को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं हकृवि के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीप्ति द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबु व पुजा देवी तृतीय स्थान पर रहीं। अंतर विद्यालय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में सेंट एंथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्यांशी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रचित मेहरा, राघव व कनिष्का द्वितीय तथा दी आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी रेहपड़े तृतीय स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 नवम्बर। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आज नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग व कैंपस स्कूल के सयुक्त तत्वावधान द्वारा आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन 'किसानों के लिए रसायन विज्ञान' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कृषि में कई ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका समाधान रसायन विज्ञान में नवाचार करके किया जा सकता है। इन मुद्दों में से एक कृषि में विषाक्त धातु संदूषण है। आर्सेनिक, कैडमियम, सीसा और पारा जैसी धातुओं के उच्च स्तर के संपर्क में आने से मनुष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं जबकि दूसरी ओर लोहा, बोरान और तांबा पौधों के विकास के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व हैं। इसलिए ऐसी धातुओं का पता लगाने के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान तकनीकों का उपयोग करके समय-समय पर किसानों के खेतों से ऐसी जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता है। कुलपति ने रसायन वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि उनके अनुसंधान किसानों के कल्याण के लिए केन्द्रित होने चाहिए जैसे कम साइटोटॉक्सिसिटी वाले नए रोगाणुरोधी और नेमाटीसाइडल का विकास, कृषि रसायन व्यवहार और खतरों की पहचान, कृषि अपशिष्ट के उपयोग के लिए प्रक्रियाओं का विकास, हरित रसायन अनुसंधान और नैनोकण विकास आदि। उन्होंने कहा यह प्रशंसा की बात है कि हकृवि के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा इन विषयों को अपने अनुसंधान कार्यक्रमों में प्राथमिकता दी गई है। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने मुख्य संभाषण में इस कार्यक्रम के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी। लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा रसायन विज्ञान का फसलों की उपज बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होंने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यहबारिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हमारे देश के महापुरूषों पर भी प्रकाश डाला। इससे पूर्व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल के सहयोग से आयोजित किए गए रसायन विज्ञान पखवाड़ा के दौरान भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में कैंपस स्कूल की निदेशक श्रीमती संतोष कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन पीएचडी छात्रा सुचेता छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी

हकृवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में रसायन पखवाड़ा हुआ संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए नई जैव रासायनिक क्रिया को प्रदर्शित करने वाले नए उत्पादों के विकास की अत्यधिक आवश्यकता है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे आज नोबल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक मैरी क्यूरी की याद में विश्वविद्यालय में आयोजित रसायन पखवाड़ा के अंतिम दिन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने रसायन वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि उनके अनुसंधान किसानों के कल्याण के लिए केन्द्रित होने चाहिए जैसे कम साइटोटॉक्सिसिटी वाले नए रोगाणुरोधी और नेमाटीसाइडल का विकास, कृषि रसायन व्यवहार और खतरों की पहचान, कृषि अपशिष्ट के उपयोग के लिए प्रक्रियाओं का विकास, हरित रसायन अनुसंधान और नैनोकण विकास आदि।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज विजेता विद्यार्थियों के साथ

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि हरित क्रांति से पहले भारत को अमेरिका से अनाज आयात करना पड़ता था लेकिन कृषि वैज्ञानिकों के योगदान से अब हम दूसरे देशों को भी अनाज का निर्यात कर रहे हैं। उस समय पैदावार बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता था जोकि समय की जरूरत थी लेकिन अब हम जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाकर गुणवत्ता से परिपूर्ण अनाज की पैदावार की तरफ भी ध्यान दे रहे हैं।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

भाषण प्रतियोगिता : प्रथम पुरस्कार रिद्धी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमांशी ने जीता। एप्रिसीएशन पुरस्कार प्रिया व अलीशा को मिला।

इंटर कॉलेज प्रश्नोतरी प्रतियोगिता : गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंटिश चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं हकृवि के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे।

इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी : कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीपि द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबु व पूजा देवी तृतीय स्थान पर रही।

अंतर विद्यालय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता : सेंट एंथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्यांशी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रचित मेहरा, राघव व कनिष्का द्वितीय तथा दै आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी रेहपाड़े तृतीय स्थान पर रहे।

इंटर स्कूल वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी : ओपी जिंदल मॉर्डन स्कूल के नमन व सुन्नय को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं दै आर्यन स्कूल के आदित्य व दीपिका को 'वेस्ट मैनेजमेंट' विषय पर द्वितीय जबकि डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, हिसार की इशिका व अनु को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर तृतीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार दै श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल की समृद्धि व अनिदया, सेंट मैरी स्कूल, हिसार की मनु सुनन्दन व नंदिता तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल, हिसार के अभय व शिवम को एप्रिसीएशन पुरस्कार मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	21.11.2023	--	--

रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

वर्तमान समय में कृषि में उपयोग किए जा रहे फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के प्रति कीटों और खरपतवारों में प्रतिरोधकता का विकास कृषि उत्पादों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि लगभग आधी सदी से जैविक रसायन का उपयोग कृषि में खाद्य उत्पादन को बढ़ाने और फसल सुरक्षा के लिए हो रहा है। उन्होंने कहा रसायनों का संतुलित प्रयोग कृषि में स्थिरता के लिए जरूरी है। हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सदस्य प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा ने मुख्य संभाषण में जिनमें स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में कैंपस स्कूल की निदेशक श्रीमती संतोष कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन पीएचडी छात्रा सुचेता छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ये रहे उपरोक्त प्रतियोगिताओं के परिणाम-

उपरोक्त कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे- भाषण प्रतियोगिता - प्रथम पुरस्कार रिद्धी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय पुरस्कार रितु और तृतीय पुरस्कार हिमांशी ने जीता। एप्रिसीएशन पुरस्कार प्रिया व अलांशा को मिला। इंटर कॉलेज प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, हिसार की रेणुका भारद्वाज, मुस्कान व पंकज प्रथम जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की गुंजन, रेणु व प्रतिभा को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं हकृवि के कृषि महाविद्यालय से नमन, अर्पित कंबोज व प्रिया यादव तीसरे स्थान पर रहे। इंटर कॉलेज वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में कृषि महाविद्यालय के अंकित गावड़ी व कल्पना यादव प्रथम, ओडीएम महिला कॉलेज, मुकलान की मुस्कान व दीप्ति द्वितीय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की खुशबू व पूजा देवी तृतीय स्थान पर रहीं। अंतर विद्यालय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में सेंट एंथोनी स्कूल के लक्ष्य, देव मलिक व दिव्यांशी प्रथम, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल के रचित मेहरा, राघव व कनिष्का द्वितीय तथा दी आर्यन स्कूल के प्रणव, अर्नव गांधी व सात्विकी रेहपड़े तृतीय स्थान पर रहे। स्कूल वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी में ओपी जिंदल मॉर्डन स्कूल के नमन व गुन्मय को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं दी आर्यन स्कूल के आदित्य व दीपिका को 'बेस्ट मैनेजमेंट' विषय पर द्वितीय जबकि डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, हिसार की इशिका व अनु को 'प्रकृति से भविष्य तक' विषय पर तृतीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार दी श्रीराम युनिवर्सल स्कूल की समृद्धि व अनिंदया, सेंट मैरी स्कूल, हिसार की मनु सुनन्दन व नंदिता तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल, हिसार के अभय व शिवम को एप्रिसीएशन पुरस्कार मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	21.11.2023	--	--

हकृवि के 10 विद्यार्थी पौलेंड के वारसॉ विश्वविद्यालय में जाकर लेंगे प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चयनित विद्यार्थियों को दी बधाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों का पौलेंड के वारसॉ विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। ये विद्यार्थी उपरोक्त विश्वविद्यालय में कृषि, गृह विज्ञान और मत्स्य विज्ञान के क्षेत्रों में नवीन प्रौद्योगिकियों, नवाचारों आदि बारे व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने पौलेंड में प्रशिक्षण हेतु चयनित उपरोक्त विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय में शिक्षा व शोध में अपनाए जा रहे उच्च मानकों का परिणाम है। अब तक इस विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा व प्रशिक्षणों के लिए विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में जा चुके हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि उपरोक्त विद्यार्थियों का चयन

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी-आईडीपी) के तहत अंतर्राष्ट्रीय संगठन में छात्र विकास कार्यक्रम की प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षा और साक्षात्कार आधार पर हुआ है। उन्होंने बताया कि हकृवि की ओर से प्रशिक्षण अवधि के दौरान विजा, आने जाने का किराया, मेडिकल इंश्योरेंस आदि के लिए भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन चयनित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय, हिसार के तृतीय वर्ष के छात्र सुशांत नागपाल, चतुर्थ वर्ष की छात्रा निधि व विशाल, कृषि महाविद्यालय, बावल से मुनीज़ व नैनसी, कृषि महाविद्यालय कौल से हरितिमा व अंजू, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय से ममता व मुस्कान और मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय से अमित शामिल हैं। इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में चलाई जा रही आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक व स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी शर्मा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता, अंतर्राष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा कत्याल व मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य उपस्थित रहे।